सुविचार
जितना प्रेम आपके मात-पिता आपसे करते हैं, उतना प्रेम आपसे इस दुनि में और कोई नहीं कर सकता है।

प्रगति प्रभात
कानपुर
पृष्ठ-08-मूल्य 2.00 रुपये
कानपुर, शनिवार 23 अप्रैल 2022

छात्र छात्राओं ने पोस्टर,बैनर एवं स्लोगन के जरिए दिया पृथ्वी बचाओ का संदेश

कानपुर 7 सीएसए में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने संदेश में कहा कि पृथ्वी में ही मानव जीवन की कल्पना की जा सकती है। पृथ्वी पर निवास करने वाली विश्व की संपूर्ण मानव जाति का दायित्व बनता है कि वह पृथ्वी में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों को किसी भी प्रकार का नुकसान न पहुंचाएं । इस अवसर पर कुलपति ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि धरती बचाओ, जीवन बचाओ, जीवन को खुशहाल बनाओ। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर धर्मराज सिंह ने बताया की अभी तक जलवायु में होने वाले अप्रत्याशित परिवर्तन के कारण बहुत सारे जीव जंतु पृथ्वी से विलुप्त हो चुके हैं।यदि हम अभी भी नहीं जागरूक हुए तो ऐसा न हो कि मनुष्य जाति भी विलुप्त हो जाए। इसके लिए आवश्यक है कि हम प्रकृति के साथ में तारतम्यता बनाकर रहे।सभी अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी सुनिश्चित करने का आज इस शुभ अवसर पर संकल्प करें। सह अधिष्ठाता डॉ एस के विश्वास ने बताया कि वर्तमान समय मृदा, जल एवं वायु तीनो ही प्रदूषित हो चुके हैं जिसकी वजह से हमें भिन्न भिन्न बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। अधिष्ठाता गृह विज्ञान संकाय डॉ पीके उपाध्याय ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि पशु स्वास्थ्य भी मनुष्य की स्वार्थपरता से प्रभावित हो रहा है। जिसके संकेत हम सभी स्पष्ट रूप से देख सकते हैं।प्रोफेसर डॉक्टर महक सिंह ने अनावश्यक रूप से प्रयोग किए जाने वाले फर्टिलाइजर्स, पेस्टिसाइड , इंसेक्टिसाइड के प्रभावों के बारे में बताया। कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर संजीव ने कहा पृथ्वी गृह को बचाने का उत्तर दायित्व हम सभी का है।कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर रश्मि सिंह ने स्वयं सेवकों से अपील किया कि आज के कार्यक्रम में पृथ्वी को संरक्षित करने के लिए मिलने वाली जानकारी को अपने जीवन में अवश्य रूप से लाना है।राष्ट्रीय सेवा योजना की समन्वयक डॉ अर्चना सिंह ने सभी का स्वागत किया करते हुए कहा कि सभी स्वयं सेवकों को इस अवसर पर दृढ़ संकल्प करना कि हम कोई भी ऐसा कार्य नही करेंगें कि जिससे हमारी धरती मां प्रदूषित हो। पृथ्वी दिवस के अवसर पर आलिया, दीपाली, प्रज्ञा, अभिषेक, आलोक , यदुवीर, ने भाषण द्वारा अपने विचार व्यक्त किए। पलक, मुस्कान तथा तनु ने कविता के माध्यम से अभिव्यक्ति की।निकिता , अक्षिता, तनिषा, नेहा, जयश्री, वैशाली,निकिता पाल, सरिता , दिव्या, अटोबी और सौम्य बाजपाई ने पोस्टर बनाए । कार्यक्रम का संचालन इकाई 3 की छात्रा श्रव्या सिंह ने सफलता पूर्वक किया। कार्यक्रम समापन पर डॉक्टर आरके पाठक कार्यक्रम अधिकारी ने सभी को धन्यवाद दिया।विभिन्न इकाइयों के 100 से अधिक राष्ट्रीय स्वयं सेवकों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान भी उपस्थित रहे।

वर्ष 16 अंक 110 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, शनिवार 23 अप्रैल 2022
कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित
RNI N.UPHIN/2007/27090
दैनिक नगर छाया
आप की आवाज़.....
www.nagarchhaya.com पेज-8
बटलर के शतक से दिल्ली 15 रन से हारी

सीएसए में एनएसएस के छात्र-छात्राओं ने पृथ्वी बचाओ का दिया संदेश

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने संदेश में कहा कि पृथ्वी में ही मानव जीवन की कल्पना की जा सकती है। पृथ्वी पर निवास करने वाली विश्व की संपूर्ण मानव जाति का दायित्व बनता है कि वह पृथ्वी में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों को किसी भी प्रकार का नुकसान न पहुंचाएं । इस अवसर पर कुलपति ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि धरती बचाओ, जीवन बचाओ, जीवन को खुशहाल बनाओ। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर धर्मराज सिंह ने बताया की अभी तक जलवायु में होने वाले अप्रत्याशित परिवर्तन के कारण बहुत सारे जीव जंतु पृथ्वी से विलुप्त हो चुके हैं।यदि हम अभी भी नहीं जागरूक हुए तो ऐसा न हो कि मनुष्य जाति भी विलुप्त हो जाए। इसके लिए आवश्यक है कि हम प्रकृति के साथ में तारतम्यता बनाकर रहे।सभी अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी सुनिश्चित करने का आज इस शुभ अवसर पर संकल्प करें। सह अधिष्ठाता डॉ एस के विश्वास ने बताया कि वर्तमान समय मृदा, जल एवं वायु तीनो ही प्रदूषित हो चुके हैं जिसकी वजह से हमें भिन्न भिन्न बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। अधिष्ठाता गृह विज्ञान संकाय डॉ पीके उपाध्याय ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि पशु स्वास्थ्य भी मनुष्य की स्वार्थपरता से प्रभावित हो रहा है। जिसके संकेत हम सभी स्पष्ट रूप से देख सकते हैं।प्रोफेसर डॉक्टर महक सिंह ने अनावश्यक रूप से प्रयोग किए जाने वाले फर्टिलाइजर्स, पेस्टिसाइड , इंसेक्टिसाइड के प्रभावों के बारे में बताया। पृथ्वी दिवस के अवसर पर आलिया, दीपाली, प्रज्ञा, अभिषेक, आलोक , यदुवीर, ने भाषण द्वारा अपने विचार व्यक्त किए। पलक, मुस्कान तथा तनु ने कविता के माध्यम से अभिव्यक्ति की।निकिता , अक्षिता, तनिषा, नेहा, जयश्री, वैशाली,निकिता पाल, सरिता , दिव्या, अटोबी और सौम्य बाजपाई ने पोस्टर बनाए । कार्यक्रम का संचालन इकाई 3 की छात्रा श्रव्या सिंह ने सफलता पूर्वक किया। कार्यक्रम समापन पर डॉक्टर आरके पाठक कार्यक्रम अधिकारी ने सभी को धन्यवाद दिया।विभिन्न इकाइयों के 100 से अधिक राष्ट्रीय स्वयं सेवकों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान भी उपस्थित रहे।

आज महानगर कानपुर,23 अप्रैल 2022 11

पोस्टरों व स्लोगन से दिया पृथ्वी बचाओ का संदेश

कानपुर, 22 अप्रैल। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर सीएसए के कुलपति डॉ डीआर सिंह ने कहा कि पृथ्वी में ही मानव जीवन की कल्पना की जा सकती है। पृथ्वी पर निवास करने वाली विश्व की संपूर्ण मानव जाति का दायित्व बनता है कि वह पृथ्वी में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों को किसी भी प्रकार का नुकसान न पहुंचाएं । सह अधिष्ठाता डॉ एस के विश्वास ने बताया कि वर्तमान समय मृदा, जल एवं वायु तीनो ही प्रदूषित हो चुके हैं जिसकी वजह से हमें भिन्न भिन्न बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। डा. महक सिंह व अधिकारी डॉक्टर संजीव ने कहा पृथ्वी गृह को बचाने का उत्तर दायित्व हम सभी का है। आलिया, दीपाली, प्रज्ञा, अभिषेक, आलोक , यदुवीर, ने भाषण द्वारा अपने विचार व्यक्त किए। पलक, मुस्कान तथा तनु ने कविता के माध्यम से अभिव्यक्ति की। निकिता , अक्षिता, तनिषा, नेहा, जयश्री, वैशाली,निकिता पाल, सरिता , दिव्या, अटोबी और सौम्य बाजपाई ने पोस्टर बनाए।

Sign in to edit and save changes to this file.

हिंदी दैनिक
यूपी मैसेंजर
जनता की आवाज
लखनऊ 3

छात्र छात्राओं ने पोस्टर, बैनर एवं स्लोगन के जरिए दिया पृथ्वी बचाओ का संदेश

यूपी मैसेंजर संवाददाता

कानपुर। सीएसए में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने संदेश में कहा कि पृथ्वी में ही मानव जीवन की कल्पना की जा सकती है। पृथ्वी पर निवास करने वाली विश्व की संपूर्ण मानव जाति का दायित्व बनता है कि वह पृथ्वी में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों को किसी भी प्रकार का नुकसान न पहुंचाएं। इस अवसर पर कुलपति ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि धरती बचाओ, जीवन बचाओ, जीवन को खुशहाल बनाओ। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर धर्मराज सिंह ने बताया की अभी तक जलवायु में होने वाले अप्रत्याशित परिवर्तन के कारण बहुत सारे जीव जंतु पृथ्वी से विलुप्त हो चुके हैं।यदि हम अभी भी नहीं जागरूक हुए तो ऐसा न हो कि मनुष्य जाति भी विलुप्त हो जाए। इसके लिए आवश्यक है कि हम प्रकृति के साथ में तारतम्यता बनाकर रहे।सभी अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी सुनिश्चित करने का आज इस शुभ अवसर पर संकल्प करें। सह अधिष्ठाता डॉ एस के

विश्वास ने बताया कि वर्तमान समय मृदा, जल एवं वायु तीनो ही प्रदूषित हो चुके हैं जिसकी वजह से हमें भिन्न भिन्न बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। अधिष्ठाता गृह विज्ञान संकाय डॉ पीके उपाध्याय ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि पशु स्वास्थ्य भी मनुष्य की स्वार्थपरता से प्रभावित हो रहा है।

जिसके संकेत हम सभी स्पष्ट रूप से देख सकते हैं।प्रोफेसर डॉक्टर महक सिंह ने अनावश्यक रूप से प्रयोग किए जाने वाले फर्टिलाइजर्स, पेस्टिसाइड, इंसेक्टिसाइड के प्रभावों के बारे में बताया। कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर संजीव ने कहा पृथ्वी गृह को बचाने का उत्तर दायित्व हम सभी का है।कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर रश्मि सिंह ने स्वयं सेवकों से अपील किया कि आज के कार्यक्रम में पृथ्वी को संरक्षित करने के लिए मिलने वाली जानकारी को अपने जीवन में अवश्य रूप से लाना है।राष्ट्रीय सेवा योजना की समन्वयक डॉ अर्चना सिंह ने सभी का स्वागत किया करते हुए कहा कि सभी स्वयं सेवकों को इस अवसर पर दृढ़ संकल्प करना कि हम कोई भी ऐसा कार्य नही करेंगें कि जिससे हमारी धरती मां प्रदूषित हो।

पृथ्वी दिवस के अवसर पर आलिया, दीपाली, प्रज्ञा, अभिषेक, आलोक , यदुवीर, ने भाषण द्वारा अपने विचार व्यक्त किए। पलक, मुस्कान तथा तनु ने कविता के माध्यम से अभिव्यक्ति की।निकिता , अक्षिता, तनिषा, नेहा, जयश्री, वैशाली,निकिता पाल, सरिता , दिव्या, अटोबी और सौम्य बाजपाई ने पोस्टर बनाए । कार्यक्रम का संचालन इकाई 3 की छात्रा श्रव्या सिंह ने सफलता पूर्वक किया। कार्यक्रम समापन पर डॉक्टर आरके पाठक कार्यक्रम अधिकारी ने सभी को धन्यवाद दिया।विभिन्न इकाइयों के 100 से अधिक राष्ट्रीय स्वयं सेवकों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान भी उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

लखनऊ संस्करण
दैनिक भास्कर
देश का सबसे विश्वसनीय अखबार
For epaper : www.dainikbhaskarup.com
14

छात्र-छात्राओं ने दिया पृथ्वी बचाओ का संदेश

भास्कर ब्यूरो

कानपुर। सीएसए में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने संदेश में कहा कि पृथ्वी में ही मानव जीवन की कल्पना की जा सकती है। पृथ्वी पर निवास करने वाली विश्व की संपूर्ण मानव जाति का दायित्व बनता है कि वह पृथ्वी में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों को किसी भी प्रकार का नुकसान न पहुंचाएं।

इस अवसर पर कुलपति ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि धरती बचाओ, जीवन बचाओ, जीवन को खुशहाल बनाओ। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर धर्मराज सिंह ने बताया की अभी तक जलवायु में होने वाले अप्रत्याशित परिवर्तन के कारण

बहुत सारे जीव जंतु पृथ्वी से विलुप्त हो चुके हैं। यदि हम अभी भी नहीं जागरूक हुए तो ऐसा न हो कि मनुष्य जाति भी विलुप्त हो जाए। इसके लिए आवश्यक है कि हम प्रकृति के साथ में तारतम्यता बनाकर रहे। सभी अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी सुनिश्चित करने का आज इस शुभ अवसर पर संकल्प करें। सह अधिष्ठाता डॉ एस के विश्वास ने बताया कि वर्तमान समय मृदा, जल एवं वायु तीनो ही प्रदूषित हो चुके हैं जिसकी वजह से हमें भिन्न भिन्न बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 13 अंक : 289 कानपुर, शनिवार 23 अप्रैल, 2022 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपये
राष्ट्रीय स्वरूप
कानपुर • शनिवार 23 अप्रैल 2022 3

छात्र-छात्राओं ने पोस्टर,बैनर एवं स्लोगन के जरिए दिया पृथ्वी बचाओ का संदेश

कानपुर । सीएसए में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने संदेश में कहा कि पृथ्वी में ही मानव जीवन की कल्पना की जा सकती है। पृथ्वी पर निवास करने वाली विश्व की संपूर्ण मानव जाति का दायित्व बनता है कि वह पृथ्वी में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों को किसी भी प्रकार का नुकसान न पहुंचाएं । इस अवसर पर कुलपति ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि धरती बचाओ, जीवन बचाओ, जीवन को खुशहाल बनाओ। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर धर्मराज सिंह ने बताया की अभी तक जलवायु में होने वाले अप्रत्याशित परिवर्तन के कारण बहुत सारे जीव जंतु पृथ्वी से विलुप्त हो चुके हैं।यदि हम अभी भी नहीं जागरूक हुए तो ऐसा न हो कि मनुष्य जाति भी विलुप्त हो जाए। इसके लिए आवश्यक है कि हम प्रकृति के साथ में तारतम्यता बनाकर रहे।सभी अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी सुनिश्चित करने का आज इस शुभ अवसर पर संकल्प करें। सह अधिष्ठाता डॉ एस के विश्वास ने बताया कि वर्तमान समय मृदा, जल एवं वायु तीनो ही प्रदूषित हो चुके हैं जिसकी वजह से हमें भिन्न भिन्न बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। अधिष्ठाता गृह विज्ञान संकाय डॉ पीके उपाध्याय ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि पशु स्वास्थ्य भी मनुष्य की स्वार्थपरता से प्रभावित हो रहा है। जिसके संकेत हम सभी स्पष्ट रूप से देख सकते हैं।प्रोफेसर डॉक्टर महक सिंह ने अनावश्यक रूप से प्रयोग किए जाने वाले फर्टिलाइजर्स, पेस्टिसाइड , इंसेक्टिसाइड के प्रभावों के बारे में

बताया। कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर संजीव ने कहा पृथ्वी गृह को बचाने का उत्तर दायित्व हम सभी का है।कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर रश्मि सिंह ने स्वयं सेवकों से अपील किया कि आज के कार्यक्रम में पृथ्वी को संरक्षित करने के लिए मिलने वाली जानकारी को अपने जीवन में अवश्य रूप से लाना है।राष्ट्रीय सेवा योजना की समन्वयक डॉ अर्चना सिंह ने सभी का स्वागत किया करते हुए कहा कि सभी स्वयं सेवकों को इस अवसर पर दृढ़ संकल्प करना कि हम कोई भी ऐसा कार्य नही करेंगें कि जिससे हमारी धरती मां प्रदूषित हो। पृथ्वी दिवस के अवसर पर आलिया, दीपाली, प्रज्ञा, अभिषेक, आलोक , यदुवीर, ने भाषण द्वारा अपने विचार व्यक्त किए। पलक, मुस्कान तथा तनु ने कविता के माध्यम से अभिव्यक्ति की।निकिता , अक्षिता, तनिषा, नेहा, जयश्री, वैशाली,निकिता पाल, सरिता , दिव्या, अटोबी और सौम्य बाजपाई ने पोस्टर बनाए । कार्यक्रम का संचालन इकाई 3 की छात्रा श्रव्या सिंह ने सफलता पूर्वक किया। कार्यक्रम समापन पर डॉक्टर आरके पाठक कार्यक्रम अधिकारी ने सभी को धन्यवाद दिया।विभिन्न इकाइयों के 100 से अधिक राष्ट्रीय स्वयं सेवकों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान भी उपस्थित रहे।